1

अवध–विहान

माह जुलाई सत्र –2026

डिजिटल पत्रिका

अंक–51, पंचाशत् पुष्प

भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निराला नगर– लखनऊ

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
.सहसंगठन मंत्री– विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 {ks=

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र-

मा. गोपाल राम मिश्र
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

सुनील कुमार सिंह
प्रान्त प्रचार संयोजक (भारतीय शिक्षा समिति,उ.प्र.)
मो. 9026446337, E-mail:- awadhpacher@gmail.com

प्रचार टोली

श्री चन्द्रेश अग्निहोत्री
प्रान्त संवाददाता प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

श्री जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

कम्प्यूटर ग्राफिक्स व डिजाइनिंग

श्री मन्दीप कुमार
स.वि.म.इ.का. पलिया कलां
पलिया कलां –खीरी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स व डिजाइनिंग

श्री अमरदीप श्रीवास्तव
स.वि.म.इ.का. मालवीय नगर ,
गोण्डा

सम्पादकीय

लोकमान्य तिलक: स्वराज्य की चेतना

किसी भी राष्ट्र की स्वतंत्रता का पहला कदम है–जनता में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने यही चेतना जगाई। “स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा”–उनका यह उद्घोष केवल नारा नहीं, बल्कि पराधीन भारत के आत्मसम्मान की आवाज़ था। ‘केसरी’ और ‘मराठा’ के माध्यम से तिलक ने निर्भीक पत्रकारिता की और सार्वजनिक गणेशोत्सव तथा शिवाजी उत्सव को जन-जागरण का मंच बनाया। जेल की कठिनाइयों के बीच भी उनका संकल्प नहीं डिगा; मांडले में उन्होंने ‘गीता रहस्य’ की रचना की।

तिलक का जीवन हमें सिखाता है कि बदलाव के लिए विचार, साहस और जन-एकता आवश्यक हैं। स्वतंत्र भारत में उनका स्मरण तभी सार्थक होगा, जब हम अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहें।

धन्यवाद!

(सुनील कुमार सिंह)
प्रधान सम्पादक
सरस्वती वि.म.इ.का. पलियां कला– खीरी

- अयोध्या संकुल 05–09
- लखीमपुर संकुल 10–11
- अम्बेडकर नगर संकुल 12–14
- लखनऊ संकुल 15–14

अयोध्या संकुल

आज दिनांक **24** जुलाई **2026,** दिन शुक्रवार को विद्या भारती विद्यालय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रामनगर अयोध्या में वंदना सभा में प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी के निर्देशन में नगर निगम के दो कार्यकर्ताओं द्वारा कचरा प्रबंधन के बारे में भैया बहनों को उपयोगी जानकारी दी गई। भैया बहनों को पांच प्रकार के कचरे के बारे में विस्तार से बताया गया। कचरे को अलग-अलग करके देना हमारा कर्तव्य है। कचरे को अलग-अलग करने के अनेक फायदे बताइए जैसे आपका नगर साफ सुथरा व सुंदर रहेगा, मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों से राहत मिलेगी और स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

इस अवसर पर सभी आचार्य एवं भैया बहन उपस्थित रहे।

अयोध्या संकुल

आज दिनांक **27** जुलाई **2026,** दिन सोमवार को सरस्वती विद्या मंदिर, रामनगर, अयोध्या में *कारगिल विजय दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई ।

प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारीने शिशुओं को भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम, साहस एवं बलिदान की अनेक प्रेरणादायी गाथाएँ सुनाईं। उन्होंने कारगिल युद्ध में वीर सैनिक स्वर्गीय मनोज कुमार पांडेय जी के अदम्य साहस, वीरता, पराक्रम एवं सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करते हुए शिशुओं को प्रेरणादायी उद्बोधन दिया।

उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के जीवन से प्रेरणा लेने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का संदेश दिया।

इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य एवं भैया बहन उपस्थित रहे।

अयोध्या संकुल

शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, तुलसीनगर, अयोध्या में स्काउट गाइड प्रशिक्षण का भव्य समापन
प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल ने कहा - "अनुशासन और सेवा से ही बनता है सशक्त राष्ट्र" आचार्य अरविंद जी एवं आचार्या बहन विभा जी ने भैया-बहनों को कराया प्रतिभाग

अयोध्या: तुलसीनगर स्थित शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 5 दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह बड़े हर्षोल्लास एवं अनुशासन के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ। समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अवनि कुमार शुक्ल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में प्रधानाचार्य जी ने स्वयंसेवक बंधु एवं बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि "स्काउट गाइड केवल एक संगठन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की पाठशाला है। देश की सेवा, समाज की सेवा और आत्म-अनुशासन ही स्काउट गाइड का मूल मंत्र है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। आप सभी राष्ट्र के कर्णधार हैं।"

प्रशिक्षण के दौरान भैया-बहनों को प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, गांठ बांधना, मार्च पास्ट, झंडा गीत, गृह निर्माण, पाक कला एवं सामुदायिक सेवा जैसे विभिन्न विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ सभी गतिविधियों में भाग लिया।

समापन पर सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्काउट गाइड प्रभारी का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अयोध्या संकुल

आज दिनांक **29** जुलाई **2026**, दिन बुधवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रामनगर अयोध्या में गुरु पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया।

गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी द्वारा माँ सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया । कार्यक्रम में गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए रसायन विज्ञान के प्रवक्ता श्री सुमित जी ने बताया कि प्रथमं गुरु तो माँ है जिसने हमें बोलना सिखाया और हमारे रिश्तों की पहचान कराई और उसके बाद गुरु जिसनें हमे ज्ञान रूपी शिक्षा दी । कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी ने गुरु पूर्णिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में इस सभी आचार्य एवं भैया बहन उपस्थित रहे।

अयोध्या संकुल

***सरस्वती शिशु/ विद्या मंदिर रामनगर, अयोध्या में आचार्य अभिभावक बैठक एवं आचार्य दक्षता वर्ग संपन्न**

आज दिनांक **31 जुलाई 2026**, दिन शुक्रवार को आचार्य अभिभावक बैठक आयोजित की गई जिसमें भैया बहनों की प्रथम मासिक परीक्षा का परीक्षाफल दिखाया गया। इसके पश्चात प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी के निर्देशन में दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया जिसमें प्रातः स्मरण, वंदना,हमारा लक्ष्य, वार्षिक गीत आदि का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ आचार्य श्री विश्वनाथ जी ने आचार्यों को शारीरिक दक्षता का अभ्यास कराया और उन्होंने बताया कि नियमित शारीरिक अभ्यास से न केवल हमारा शरीर स्वस्थ रहता है , बल्कि इससे अनुशासित रहते हैं ।

दक्षता वर्ग कार्यक्रम मे सभी आचार्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

लखीमपुर संकुल

पंडित दीनदयाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज उत्तर प्रदेश , लखीमपुर खीरी में आज रविवार को संकुल स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, पलिया कलां (खीरी) के खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना और तकनीकी निपुणता का परिचय देते हुए (द्वितीय) स्थान हासिल किया। टीम के खिलाड़ी रंजीत सिंह, शगुन यादव, अंकित यादव, आदित्य कुमार, युवराज सिंह, सौभाग्य, लकी गिरी और प्रियांशु कश्यप ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों और निर्णायकों को अत्यधिक प्रभावित किया। इसके साथ ही, विद्यालय के प्रतिभावान खिलाड़ी भैया रूपेंद्र शाक्य ने (शतरंज) अंडर-**14** बाल वर्ग की प्रतियोगिता में अद्वितीय खेल कौशल का प्रदर्शन किया। उनके इस उत्कृष्ट और सराहनीय प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन प्रांतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है। खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सुनील कुमार सिंह जी एवं प्रबंध समिति के सभी पदाधिकारी बंधुओ ने शिक्षकों और खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

लखीमपुर संकुल

*सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज, सरस्वतीनगर,रायबरेली।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन दिनांक-**07.09.2026** दिन- सोमवार आज विद्यालय में भारत विकास परिषद द्वारा गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथियों भारत विकास परिषद के सम्मानित पदाधिकारी एवम् सदस्य श्री अजय मिश्रा जी,श्री राकेश कक्कड़ जी,श्री विवेक जी, श्री अरविंद श्रीवास्तव जी श्री विनोद कुमार मिश्रा जी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके हुआ, मुख्य अतिथि द्वारा छात्राओं को भारत विकास परिषद का विस्तृत इतिहास बताया गया,विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू मिश्रा जी ने सभी आचार्यो एवम् छात्राओं को शपथ दिलाई। भारत विकास परिषद द्वारा छात्रा आराध्या सिंह कक्षा- **12** को खेल के क्षेत्र में श्रेष्ठ, वैष्णवी यादव कक्षा-**11** को शैक्षिक क्षेत्र में श्रेष्ठ,रिया पटेल कक्षा-**11** को सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ होने के लिए, साथ ही आचार्या श्रीमती अर्चना पांडेय जी को सर्वश्रेष्ठ आचार्य के सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव जी, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू मिश्रा जी भारत विकास परिषद के सम्मानित सदस्य एवम् पदाधिकारी श्री राकेश कक्कड़ जी,श्री विवेक जी, श्री अरविंद श्रीवास्तव जी,एवम् समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित

अम्बेडकर नगर संकुल

विवेकानंद इंटर कॉलेज में पूर्व छात्र का हुआ सम्मान

विद्युत नगर, अंबेडकर नगर। विद्या भारती द्वारा संचालित विवेकानंद इंटर कॉलेज, विद्युत नगर में विद्यालय के गौरवशाली पूर्व छात्र भैया उमाकांत तिवारी जी(समाजसेवी, जनमानस सेवा पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा समाज) का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम तीरथ यादव जी उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अम्बेडकर नगर संकुल

अभिभावक-आचार्य गोष्ठी का सफल आयोजन, विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच सुदृढ़ हुआ संवाद विवेकानन्द शिशु कुञ्ज सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, एनटीपीसी टाण्डा, अम्बेडकर नगर में आज दिनांक **31** अगस्त **2026** को अभिभावक-आचार्य गोष्ठी का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विवेक वर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि स्वागत एवं परिचय के साथ हुआ। विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्रीमान नीरज कुमार शुक्ला जी ने मुख्य अतिथि का परिचय कराते हुए उन्हें अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए प्रधानाचार्य जी ने सभी उपस्थित अभिभावकों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर विद्यालय में उपस्थित होना इस बात का प्रमाण है कि अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा, संस्कार एवं उज्ज्वल भविष्य के प्रति गंभीर और सजग हैं। विद्यालय एवं परिवार के बीच संवाद है आवश्यक प्रधानाचार्य जी ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चे के सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण की प्रक्रिया है। बच्चे के सर्वांगीण

विकास के लिए विद्यालय और परिवार का आपसी सहयोग एवं निरंतर संवाद अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय और परिवार के बीच होने वाला यह संवाद एक ऐसे सेतु का कार्य करता है, जो बच्चों को सफलता, संस्कार एवं श्रेष्ठ नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ाता है। बच्चे के विकास में साझा जिम्मेदारी उन्होंने कहा कि बच्चा अपने दिन का लगभग 6 घंटे विद्यालय में व्यतीत करता है, जबकि शेष समय परिवार के साथ रहता है। विद्यालय में आचार्यगण बच्चों को ज्ञान, अनुशासन एवं जीवन-मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करते हैं, वहीं परिवार बच्चों को प्रेम, समय, संस्कार एवं भावनात्मक सहयोग प्रदान करता है। अतः बच्चे के व्यवहार, अध्ययन, अनुशासन एवं आदतों के विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास से संबंधित अपने महत्वपूर्ण सुझाव एवं विचार साझा किए। प्रधानाचार्य जी ने अभिभावकों के सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि "आपके सुझाव हमारे लिए सर्वोपरि हैं। बच्चों के हित में प्राप्त प्रत्येक सुझाव पर गंभीरता से विचार किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार उसे विद्यालय की व्यवस्था में लागू करने का पूर्ण प्रयास किया जाएगा।"

अंत में विद्यालय परिवार ने सभी सम्मानित अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि विद्यालय एवं परिवार के सामूहिक प्रयासों से प्रत्येक विद्यार्थी का उज्ज्वल भविष्य एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

लखनऊ संकुल

आज दिनांक **31** अगस्त **2026,** दिन- सोमवार को सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर राजाजीपुरम, लखनऊ के विद्यालय में मास के अंतिम दिवस पर आचार्य दक्षता वर्ग का कार्यक्रम पांच सत्रों में संपन्न किया गया।

1-वंदना सत्र में वंदना के साथ-साथ, वार्षिक गीत एवं वंदे मातरम का अभ्यास श्रीमती रंजना श्रीवास्तव जी के द्वारा वाद्य यंत्रों के साथ कराया गया।

2-विद्यालय के प्रधानाचार्य जी द्वारा नई शिक्षा नीति के महत्व एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को आधार मानते हुए सुभाषित के श्लोकों को पंचपदी के आधार पर शिक्षण में सम्मिलित करते हुए पाठ योजना प्रस्तुत की गई।

3-श्रीमती उमा बहन जी द्वारा भैया/ बहनों का सुलेख कैसे सुंदर बने इस पर अक्षरों की बनावट एवं मात्राएं कैसे लगाएं विस्तार से बताया एवं समझाया गया और उनके द्वारा यह कहा गया कि सप्ताह में एक दिन श्रुतलेख अवश्य लिखवाया जाए।

4-श्रीमती ममता शुक्ला जी के द्वारा वैदिक गणित से संबंधित एक न्यूनेन पूर्वेण की सहायतासे गुणा कैसे करते हैंइसको भली भांति समझाया एवं बताया गया। साथ में पहाड़ा लिखने की अनेक विधियां भी बताई गई।

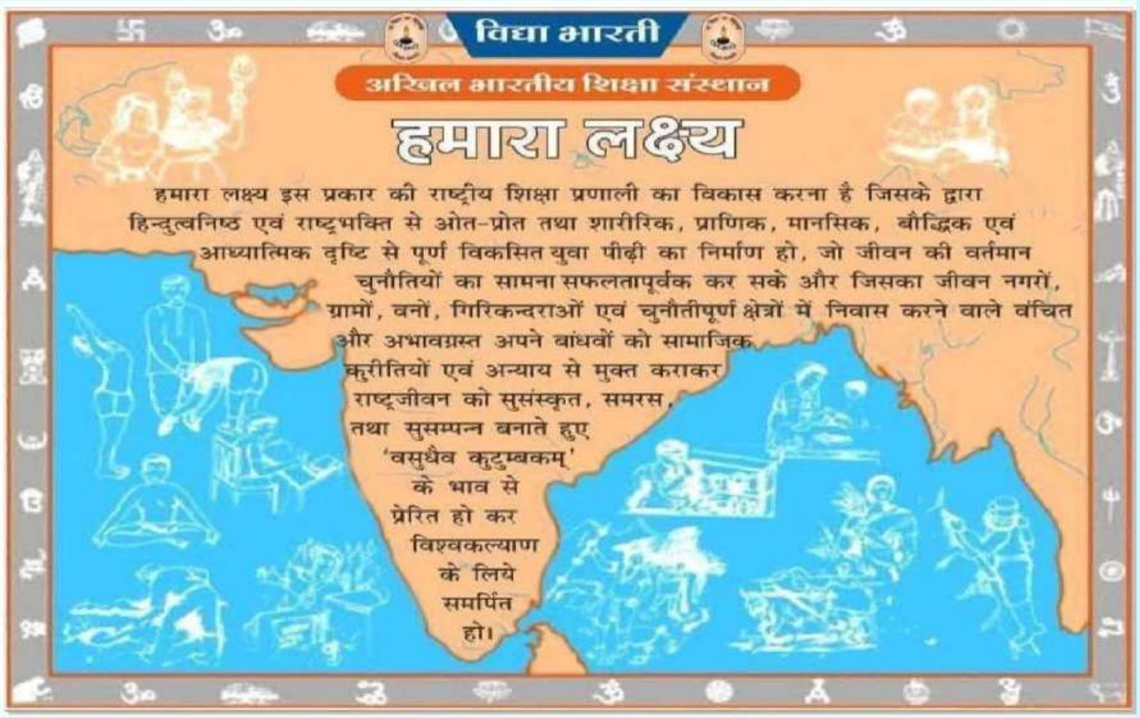
विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
हमारा लक्ष्य
हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्रजीवन को सुसंस्कृत, समरस, तथा सुसम्पन्न बनाते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के भाव से प्रेरित हो कर विश्वकल्याण के लिये समर्पित हो।

केशवकृपा